मेहनतकशों का पैग़ाम
मेहनतकशों के नाम

मज़दूर मोर्चा

साप्ताहिक

Email : mazdoormorcha1987@gmail.com
www.mazdoormorcha.com
Postal Reg. No. L-2/FBD/463/2018-20 /R.N.I. No. 66400/97

भ्रष्टाचार में डूबे अफसर को बनाया चीफ टाउन प्लानर	3
ऑक्सीजन कंसंट्रेटर बेचने वाले 5 फ़रीदाबाद में गिरफ्तार	4
जेब में पैसा है तो प्राइवेट में लगवा लो वैक्सीन	5
व्यापारी रामदेव महामारी नहीं, स्वास्थ्य के लिए चुनौती	6
श्रीराम : खर्च किए 11 लाख, मरीज आए कुल 3	8

वर्ष 34 | अंक 29 | फरीदाबाद | 30 मई-5 जून 2021 | फोन-8851091460 | ₹3.00

सीआईए ठेका लूट कांड : लीपापोती की सरकारी नौटंकी

फरीदाबाद, (ममो): 'मजदूर मोर्चा' के 9-16 मई के अंक में '10 लाख की रिश्वत नहीं मिली तो 3 करोड़ की शराब सीआईए ने लूट ली' शीर्षक से जो खबर प्रकाशित हुई थी, उसे लेकर हरियाणा सरकार के उच्चतम स्तर तक हल्ला मचने के बावजूद कोई ठोस कार्यवाही की जगह मात्र लीपा-पोती की नौटंकी के द्वारा वारदात को दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

5-6 मई की उक्त वारदात में सीआईए-56 के इंचार्ज सब इन्सपेक्टर रवीन्द्र को एसजीएम नगर स्थित मुल्ला होटल के निकट बने ठेका मालिक मनिंदर सिंह से दस लाख की रिश्वत मांगी थी जिसके न दिये जाने पर एक फर्जी मुकदमा बनाकर ठेके में मौजूद करीब तीन करोड़ की शराब 4 गाड़ियों में भरकर ले गया। कुछ थाने में जमा कराई और सैकड़ों पेटियां अपने लोगों में बांट दी। ठेके से शराब ढोने का सिलसिला कोई एक-दो घंटे नहीं बल्कि 25-30 घंटे चला। इसके कुछ भाग का लाइव वीडियो भी शहर भर ने देखा। आबकारी विभाग के आला अफसर डीईटीसी विजय कौशिक भी अपने स्टाफ सहित मौके पर पहुंचे थे। डीईटीसी ने पूछा था कि इस डयूटी पेड माल को पुलिस किस कानून की किस धारा के तहत उठा रही है तो पुलिस के पास कोई जवाब भी नहीं था।

मनोहर लाल खट्टर

ओपी सिंह

सीपी की दीदा-दिलेरी : लगता है पिछले दिनों खट्टर जी लंच करने सीपी के यहां आये थे तो उनके कान में फूंक मार गये कि बेखौफ होकर खेलो।

दुष्यंत चौटाला : पड़ गये दोनों पर भारी

पुलिस विभाग के संबंधित एसीपी, डीसीपी व सीपी तमाम अफसरान मूक दर्शक बने रहे। सीपी तो बल्कि फोन तक पर नहीं आ रहे थे, जाहिर है यह सारा खेल उन्हीं के संरक्षण में हो रहा था। अगले ही दिन तमाम शराब कारोबारी इकट्ठे होकर चंडीगढ़ पहुंचे, मंत्रियों-संतरियों आदि सबसे मिले, गुहार लगाई तो कहीं जाकर लूट की वारदात को कानूनी जामा पहनाने वाले एसआई रविन्द्र को सीआईए चौकी से बदलकर पुलिस लाइन में भेज दिया, यानी मात्र तबादला भर किया, वह भी 21 मई को। हां इस तबादले से उसे वह आर्थिक हानि जरूर हो रही है जो लूट कमाई वह चौकी में तैनाती के दौरान कर रहा था। इसके अलावा तथाकथित जांच का काम एनआईटी की डीसीपी अंशुल सिंगला को सौंप दिया गया। जिन्होंने यह काम अपने एसीपी रमेश को सौंप दिया। पुलिस महकमे की जानकारी रखने वाले बताते हैं कि इस तरह की जांचों में वही होता है जो सीपी चाहेगा।

सबसे बड़ी गौरतलब बात तो यह है कि एक एसआई का तबादला निर्देश भी डीजीपी द्वारा दिया गया। यहां सवाल यह बनता है कि यदि चंडीगढ़ में बैठे डीजीपी ने ही सब इन्सपेक्टरों के तबादले करने कराने हैं तो जिले में दर्जनों आला अधिकारियों की फौज क्यों पाल रखी, है क्या यह केवल करदाताओं का लहू पीने के लिये बैठा रखे हैं ?

रविन्द्र ने ऐसे रचा नाटक

मुखबिर खास की इत्तला पर पुलिस ने मनिंदर के ठेके के पिछले दरवाजे से 200 रूपए का नोट देकर वहां मौजूद कारिंदे से एक बोतल शराब खरीदी जो लॉकडाउन में गुनाह है। परन्तु यह इतना बड़ा गुनाह नहीं कि उस ठेके के भीतर घुस कर सारी शराब ही लूट ली जाये। विदित है कि जहां करोड़ों की शराब रखी हो वहां ठेकेदार अपने दो-चार आदमी हर वक्त रखवाली हेतु रखता ही है। एफआईआर में यह भी लिखा गया है कि ठेके में घुसने से पहले हवलादार ने डीसीपी क्राइम से सर्च वारंट जारी करने को कहा, लेकिन इस बात का कहीं जिक्र नहीं कि उक्त वारंट जारी हुआ या नहीं। विदित है कि यह वारंट एक हवलदार के हवाले नहीं किया जा सकता क्योंकि ठेके में डीएसपी स्तर से कम का कोई पुलिसकर्मी ठेके की तलाशी नहीं ले सकता, डीएसपी भी आबकारी अफसरों की मौजूदगी में ही यह काम कर सकता है।

शेष पेज दो पर

बडखल रोड पर फिर से अवैध निर्माण, सीएम फ्लाइंग सफेद हाथी साबित

पिछले साल यहां पर एमसीएफ ने की थी कार्रवाई, अब चुप्पी साध ली है

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

फरीदाबाद: आपदा में अवसर तलाश रहे भाजपा नेताओं की नजर शहर की बेशकीमती जमीनों पर लगी हुई है। बडखल रोड (सैक्टर-21डी के पास एसजीएम नगर जाने वाली रोड) पर पेट्रोल पंप के सामने ग्रीन बेल्ट में और उसके पीछे भी करीब 1000 गज में इन दिनों अवैध निर्माण तेजी से जारी है। यहां पर चार-पांच दुकानें बना दी गई हैं और बाकी जगह में भी दुकान बनाकर और पीछे की जमीन पर कब्जा करने की कार्रवाई तेजी से जारी है। इस सिलसिले में करनाल के भाजपा सांसद संजय भाटिया के कथित भाई/भतीजे अनिल भाटिया के साथ ही फरीदाबाद के कुछ भाजपा नेताओं के नाम सामने आए हैं। अभी यह साफ नहीं है कि यह जमीन हूडा की है या नगर निगम फरीदाबाद (एमसीएफ) की है। लेकिन जब भी कोई कार्रवाई यहां होती है तो वह एमसीएफ ही करता है। इसलिए हम भी इसे एमसीएफ की सरकारी जमीन मान रहे हैं। इसी जमीन पर पिछले कोरोनाकाल यानी 2020 में एमसीएफ अवैध निर्माण पर तोड़फोड़ की कार्रवाई कर चुका है।

फरीदाबाद में अवैध निर्माण रोकने के लिए एमसीएफ के अलावा सीएम फ्लाइंग दस्ता भी मौजूद है। इस दस्ते में बाकायदा डीएसपी स्तर का अधिकारी तैनात है। लेकिन ऐसा लग रहा है कि सीएम फ्लाइंग दस्ते ने भी अब रणनीतिक चुप्पी साध ली है या फिर अवैध निर्माणों में भाजपा नेताओं के सक्रिय होने पर वो पीछे हट गया है।

क्या है मामला

इस जमीन के कई वारिस पैदा हो गए हैं, लेकिन इतना साफ है कि यहां बनी अवैध दुकानें भाजपा नेता ही बनवा रहे हैं। इस सिलसिले में एमसीएफ पर दबाव है और वो कार्रवाई नहीं कर रहा है। पिछले साल यहां अवैध निर्माण किसी सेठी नामक व्यक्ति का बताया गया था जिसने किसी सुरेश गर्ग से खरीदा था। लेकिन जैसे ही इसमें एमसीएफ ने कार्रवाई शुरू की तो भाजपा नेता कूद पड़े। पहले यहां एमसीएफ ने अपना अस्थायी कमरा बना रखा था, जिसे अवैध निर्माण करने वालों ने तोड़कर पीछे कर दिया है और दुकानें बना दी हैं। अवैध कब्जाधारियों की योजना है कि चारदीवारी बनाकर पूरी जमीन पर कब्जा जमा लिया जाए। इन दिनों यहां धड़ल्ले से अवैध रूप से चारदीवारी बनाई जा रही है। लेकिन एमसीएफ का दूर-दूर तक पता नहीं है।

पहले क्या हुआ था

17 अगस्त 2020 में जब यहां अवैध रूप से चारदीवारी बनाई जा रही थी तो एमसीएफ के अफसरों के निर्देश पर बिल्डिंग इंस्पेक्टर सुमेर सिंह और बाकी

कर्मचारियों ने जाकर तोड़ दिया। लेकिन सुमेर सिंह जब इस कार्रवाई को अंजाम दे रहे थे तो इस चारदीवारी को तोड़ने से रोकने के लिए मुख्यमंत्री के खासमखास सांसद संजय भाटिया के नाम पर किसी अनिल भाटिया ने खुद को सांसद का भाई/भतीजे बताकर धमकी भरे लहजे में धमकाया था। लेकिन एमसीएफ ने सरकारी जमीन पर की जा रही अवैध चारदीवारी को तोड़ दिया। उस समय अनिल भाटिया ने सुमेर सिंह को धमकी दी थी कि वह उसका बुरा हाल कर देगा।

बीजेपी के नेताओं ने लिया ठेका

सूत्रों का कहना है कि जब पिछले साल कोरोनाकाल में एमसीएफ के अफसरों को धमकी देकर अनिल भाटिया काबू नहीं कर सका तो उसने स्थानीय भाजपा नेताओं को आगे कर दिया है। सूत्रों का कहना है कि अब भाजपा के स्थानीय नेताओं ने बाकायदा ठेका लेकर यहां अवैध निर्माण शुरू कर दिया है। यही वजह है कि उनके सामने आने के बाद अब एमसीएफ किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं कर पा रहा है।

सीएम फ्लाइंग की रहस्यमय चुप्पी

फरीदाबाद में सीएम फ्लाइंग दस्ते की नाक के नीचे हो रहे अवैध निर्माणों पर कार्रवाई न करने की क्या वजह हो सकती है। पिछले दिनों सीएम फ्लाइंग दस्ते ने पिक एंड चूज के आधार पर कुछ अवैध निर्माणों पर कार्रवाई की थी लेकिन उसके बाद वे निर्माण फिर से खड़े हो गए। इस मामले में संतोष अस्पताल सबसे बड़ा उदाहरण है। सीएम फ्लाइंग ने यहां अवैध निर्माण पर कार्रवाई की थी लेकिन उसके बावजूद यह अस्पताल खड़ा हो गया। इसी तरह एनएच 3 में ऐसी बहुत सारे भवन खड़े हो गए, जिन पर सीएम फ्लाइंग ने कार्रवाई की थी। अप्रैल में अरावली जोन में सूरजकुंड रोड पर उज्जवल फॉर्म समेत अनगिनत लोगों ने अवैध निर्माण कराए। इस सिलसिले में एमसीएफ ने नोटिस दिया, एफआईआर करा दी। उसके बाद भी वहां भाजपा नेताओं की मदद से अवैध निर्माण जारी है।

एमसीएफ ने फरीदाबाद पुलिस के पास अवैध निर्माणों की सूची भेजकर एफआईआर दर्ज करने के लिए कहा था। लेकिन पुलिस चंद मामलों में एफआईआर दर्ज कर चुप होकर बैठ जाती है। उसके बाद कोई कार्रवाई नहीं करती। दरअसल, जहां पुलिस पीछे हट जाती है, वहां से सीएम फ्लाइंग की भूमिका शुरू होती है। लेकिन अब दोनों ही एजेंसियां अपनी भूमिका भूल चुकी हैं। अरावली जोन में सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी और निर्देश के बावजूद अवैध निर्माण तमाम पर्यावरण प्रेमियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए चिन्ता का विषय बना हुआ है। इस संबंध में मजदूर मोर्चा ने लगातार खबरें प्रकाशित की हैं लेकिन पुलिस मूक दर्शक बनी हुई है।